

08/12/25

पञ्जावली आद तल्पड की गई।
जयिनी का मूल वाड जारिये
विद्दी खारिद किया गया है
अतः इस आवेक की अर्ज
पत्राके का कोई अंगित्य नही है
आवेक इली स्वर पर खारिद
किया जात है पञ्जावली केंद्र ल शुमार
द्वेकर दगबिष पकर है।

सहायक जलपर
(SDO) जयपुर

